B·A·PART – 1

हिन्दी (प्रतिष्ठा) प्रथम-पत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास

प्रश्न :- सिद्ध साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ एवं महत्व पर प्रकाश डालें ?

उत्तर :- सिद्ध साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ निम्नलिखित हैं :—

1. सिद्ध साहित्य में शास्त्रीय चिंतन पक्ष गौण है, साधना पर बल दिया है, जिसमें गुरु के महत्व को भी स्वीकार किया गया है।
2. सिद्ध साहित्य में सामाजिक विद्रोह की भावना दिखाई पड़ती है। पुरानी रूढ़ियों के प्रति विद्रोह एवं बाह्याडम्बरों के खण्डन के साथ-साथ धर्म के पारम्परिक एवं शास्त्रसम्मत रूप का विरोध किया गया है।
3. सिद्ध साहित्य में रहस्यवादी भावना के साथ-साथ योग-साधना पर विशेष बल दिया गया है। ब्रह्माण्ड में जो शिव और शक्ति है, शरीर में वही सहस्रार और कुण्डलिनी है।
4. वैदिक देवताओं के प्रति अनास्था व्यक्त करते हुए ब्राह्मणवाद की पौराणिक मान्यताओं का खण्डन किया गया है और वेदों के प्रति असम्मान दिखाया गया है।
5. चमत्कार प्रदर्शन इनके काव्य की प्रमुख प्रवृत्ति कही जा सकती है। प्रतीकों का प्रयोग करते हुए काव्य रचना की गई है, जिससे चमत्कार सृष्टि हुई है।
6. सिद्धों की साधना गुह्य साधना थी, जिसके बहाने से उन्होंने अपने साहित्य में कामशास्त्र का भी समावेश कर दिया है।
7. सिद्ध साहित्य में मुक्ति या निर्वाण की तुलना में सिद्धियों को प्राप्त करना श्रेयस्कर बताया गया है।
8. जाति-पाँति के प्रति अनास्था व्यक्त करते हुए वर्ण-भेद की निंदा की गई है।

सिद्ध साहित्य का महत्व :-

सिद्ध साहित्य ने अपने

युग को ही नहीं अपितु परवर्ती हिन्दी साहित्य को भी कई रूपों में प्रभावित किया है। सिद्धों की उलझी हुई उक्तियों को कबीर की उलटवासियों का प्रेरक समझना चाहिए। वस्तुतः संत साहित्य का प्रारम्भिक बीज सिद्धों में ही मिलता है। कबीर ने जाति-पाँति का भावना का खण्डन किया, जो उनसे पहले सिद्धों ने किया था, अतः यह मानना उपयुक्त है कि कबीर पर सिद्धों का पर्याप्त प्रभाव पड़ा था। सिद्धों की वाणी में जिस विलास की प्रधानता है, उसी का विकास आगे चलकर गोपी लीला के रूप में देखा जा सकता है। आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी भक्तिकाल पर सिद्धों के प्रभाव को स्वीकार करते हैं।

अभ्यासार्थ प्रश्न

प्रश्न :- सिद्ध साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ बताते हुए उनके महत्व पर भी प्रकाश डालें?

पता :-
डॉ० समदर्शी कुमार
विभाग- हिन्दी (S.R.A.P.C) (B.R.A.B.U.M)
मो० न० - 790 904 6087
दिनांक - 15.02.2022